

प्रेषक,

वी. के. पाठक,  
अपर सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवानीं

जिलाधिकारी,  
नैनीताल।

आपदा प्रदन्वन एवं पुनर्वास

**विषय:-** जनपद नैनीताल में दैवी आपदा से क्षतिग्रस्त विभागीय परिसम्पत्तियों के नरन्तर एवं पुनर्निर्माण कार्यों हेतु धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

नहोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-74/13-सी.आर.ए./2004 दिनांक १३ फरवरी, 2006  
सितम्बर, 2004, पत्र संख्या-75/13-सी.आर.ए./2004 दिनांक 14.12.2004, पत्र संख्या-85/13-सी.आर.ए./2004 दिनांक 22.1.2005 एवं पत्र संख्या-2936/13-सी.आर.ए.(दैवी आपदा)/2005 दिनांक 20.10.2005 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि जनपद नैनीताल के विभान सभा क्षेत्र धारी क्षेत्रांतर्गत दैवी आपदा से क्षतिग्रस्त विभागीय परिसम्पत्तियों के नरन्तर ले 60 कार्यों हेतु ₹ 0 160.59 लाख के आगणन के तकनीकी परिक्षणोपरान्त टी.ए.टी. द्वारा चंस्तुत लागत के अनुसार नरन्तर कार्यों हेतु ₹ 0 1,25,52,000/- (₹ 0 एक करोड़ पचास हजार लाख धावन हजार नाट्र) की लागत के आगणन की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये इतनी ही धनराशि के व्यव की भी श्री राज्यपाल नहोदय सहर्ष प्रदान करते हैं।

1- आगणन में उल्लिखित दरों का विवरण कर लंबांचित दिनांग के अधीक्षण अनियन्ता से दरों की स्वीकृति कार्य कराने से पूर्व अवश्य ली जाय।

2- कार्य कराने से पूर्व तनत्ता अधीक्षिकताएं तकनीकी दृष्टि को नध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रबलित दरों / विशिष्टयों के अनुरूप ही कार्य को सन्मादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

3- कार्य कराने से पूर्व कन से कन अधीक्षण अनियन्ता त्तर के अधिकारी स्थल का निरीक्षण कर लें, तथा यह सुनिश्चित करें कि आगणन में जो प्राविधान इंगित किये गये हैं वह स्थल की आवश्यकतानुसार है अथवा नहीं, स्थल आवश्यकतानुसार ही कार्य कराना सुनिश्चित करें।

4- कार्य कराने से पूर्व स्थल आवश्यकतानुसार विस्तृत/ मानविक गठित कर सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त कर लें, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय एवं वित्तीय नियन्त्रों का पालन कराई से किया जाय एवं जिन आगणनों में स्तिप लिया गया है, कार्य कराने से पूर्व माप पुस्तिका से रिकार्ड नेजरेंट इंगित अवश्य कराये जाय, तथा इसका सत्यापन अधिकारी नियन्त्रण करें।

5- आगणन में जिन नदों हेतु जो राशि आंकलित/ स्वीकृत की गई है। व्यय उसी मद में किया जाय, एक मद की राशि दूसरे मदों में किसी भी दशा में न किया जाय। इसका पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण ईकाई का होगा।

6- स्वीकृत धनराशि कार्यदायी संस्था को अवनुकूल करने से पूर्व जिलाधिकारी द्वारा पुनः यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि उक्त कार्य दैवी आपदा से क्षतिग्रस्त है। भारत सरकार के दिशा निर्देशों से आच्छादित है। तूची में जो कार्य नये हो, उस कार्य को निरस्त कर शासन को शीघ्र अवगत कराया जाय।

7- कार्य प्रारम्भ से पूर्व जिलाधिकारी द्वारा यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि उक्त कार्य हेतु किसी अन्य विभागीय बजट से कोई धनराशि स्वीकृत नहीं की गई है, यदि प्राप्त हुई है तो उसको

NIC-15/20

समायोजित करते हुए अवशेष धनराशि को इत्त धनराशि ने से व्यय की जायेगी तथा जिलाधिकारी द्वारा धनराशि निर्माण संस्था/ विभाग को तब ही अवमुक्त की जायेगी, जब इस बात की लिखित रूप में पुष्टि हो जायें।

8— दैवी आपदा राहत निधि से कृत कार्यों का उधास्थान चिन्हांकन कर इसकी लागत, निर्माण एजेन्सी का नाम, कार्य प्रारम्भ व अन्त करने की तिथि जा अंकन कर दिया जायेगा।

9— कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता के लिए संबंधित निर्माण एजेन्सी/ अधिकारी अनियन्त्रा पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

10— उक्त कार्य इसी लागत ने पूर्ण कर लिए जायेंगे, और इन पर लागत में कोई पुनरीक्षण अनुमत्य नहीं होगी। कार्य करते समय नियनानुसार टेंडर के नियमों का अनुपालन किया जायेगा।

11— कार्य प्रारम्भ करने एवं कार्य सम्पन्न होने के पूर्व क्षतिग्रस्त कार्ययोजनाओं की फोटो लेकर जिलाधिकारी को उपलब्ध करा दी जायेगी, ताकि कार्य की सत्यता का प्रमाणीकरण किया जा सके।

12— स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2006 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/ नीतिक प्रवणति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शास्त्र को उपलब्ध करा दिया जायेगा। यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे शास्त्र को समर्पित कर दिया जायेगा।

13—उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 के आय-व्ययक अनुदान संख्या-6 के अंतर्गत लेखा शीर्षक 2245-प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-05 आपदा राहत निधि-आयोजनेतर 800-अन्य व्यय-01-केन्द्रीय योजनागत/ केन्द्र द्वारा पुरोनिर्धारित योजनायें- 01 राष्ट्रीय आपदा राहत निधि से व्यय-42- अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा।

14— यह आदेश वित्त विभाग के अ.शा. संख्या- 51/वित्त अनु० 5/2006 दिनांक 31.1.2006 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं

### संलग्न-यथोक्त

भवदीय,

(वी. के. पाठक)

अपर सचिव

### संख्या एवं दिनांक उपरोक्त

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1— महालेखाकार, उत्तरांचल (लेखा एवं हकदारी) औदैराय बिल्डिंग, नाजरा, देहरादून।

2— आयुक्त, कुमार्झ मण्डल, नैनीताल।

3— अपर सचिव, वित्त एवं व्यय अनुभाग।

4— अपर सचिव, नियोजन विभाग।

6— कोषाधिकारी, नैनीताल।

✓ 7— राज्य सूचना अधिकारी, एन.आई.सी. सचिवालय परिस्तर, देहरादून।

7— निजी सचिव, ना. मुख्यमंत्री कार्यालय।

8— निजी सचिव, ना. अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, राज्य आपदा राहत समिति, उत्तरांचल।

9— निजी सचिव, भुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।

10—वित्त अनुभाग-5, ।

11—गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(वी. के. पाठक)

अपर सचिव